कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 0701111

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परी

ED

प

शब्द

नोट :– सी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय व्यवसाय अध्ययन

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 11-04-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3		
18	3	80	अस्सी

परीक्षक के हस्ताक्षर D.R. संकेतांक 36088

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"खण्ड - अ"

उत्तर ⇒1

12

प्र०स०	उत्तर
(i)	ब
(ii)	स
(iii)	द
(iv)	ब
(v)	द
(vi)	स
(vii)	ब
(viii)	ब
(ix)	द
(x)	स
(xi)	अ
(xii)	अ

उत्तर = 2

6

प्र०स	रिक्तस्थान (उत्तर)
(i)	सम्प्रेषण
(ii)	राजा
(iii)	मार्गदर्शन
(iv)	अंश
(v)	प्राथमिक
(vi)	अभिप्रेरण

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर ⇒13

(12)

(i) N.S.E ⇒ National Stock Exchange

1

(ii) पेन्नी स्टॉक्स :→ वे प्रतिभूतिया है जिनकी शेयर बाजार मे कोई किमत नही होती है जिन्हे जो सट्टे बाजार मे उपयोगी होते है।

1

(iii) विकेन्द्रीयकरण :→ जब निर्णय लेने के अधिकार एक से अधिक व्यक्ति के पास हो विकेन्द्रीयकरण कहलाते है।

1

(iv) प्रक्रिया :→ दैनिक रूप कि जाने वाली गतिविधियो के क्रियाकलापो को प्रक्रिया कहते है। सचालन को सचालन

1

(v) चलचित्र :→ चलचित्र सूचनाऐ एवं कौशलो को प्रदर्शित करते है जिन्हे अन्य किसी तकनीक द्वारा प्राप्त नही किया जा सकता है।

1

(vi) उद्देश्यो, नीतियो व क्रियाओ का निर्धारण करना।

1

(vii) कैविएट एम्पटर ⇒ "क्रेता सावधान रहे"।

1

(x) बीमा विनिर्माण :→ यह प्रबन्ध का एक दर्शन है जिसमे किसी भी प्रकार के व्यवसाय के अधिशेषो की मात हानियो

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		को कम किया जाता है।
	(viii) 1	समय अध्ययन :→ समय अध्ययन मे कर्मचारियो की सख्याँ मे वृद्धि, श्रम लागत, तथा योजनाओ का विकास किया जाता है।
	(ix) 1	विपणन सामाजिक प्रक्रिया :→ यह एक सामाजिक प्रक्रिया है क्योकि वस्तु एवं सेवाओ का अन्य वस्तु एवं सेवाओ के साथ क्रय विक्रय किया जाता है जिसका कोई मुल्य हो।
	(xii) 1	श्रमिक की विभिन्न मुद्राओ के लिए स्टॉप वॉच, विभिन्न रंग व विभिन्न चिन्हो का प्रयोग किया।
		"खण्ड ⇒ ब"
		उत्तर =4
2		परिचालन प्रबन्ध ⇒ यह कार्य प्रबन्ध तथा लोगो के प्रबन्ध के बीच की कड़ी है। किसी व्यवस्था व्यवसाय के उद्देश्यो की पूर्ति के लिए अनेक क्रियाएँ करनी होती है जैसे - क्रय, विक्रय, लेखांकन आदि। प्रबन्ध द्वारा इन उद्देश्यो को प्रभाव पूर्णता एवं कुशलता से पुरा किया जा सकता है।
1	उ० (3) (xi)	प्रतिपुष्टि :→ प्रतिपुष्टि मे वे क्रियाऐ सम्मिलित होती है जो एक संदेश प्राप्त कर्ता द्वारा यह बताने के लिए कि जाती है कि उसेबे संदेश मिल गया है तथा उसने संदेश

BSER-169 2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

को उन्ही अर्थो मे समझ लिया है।

उत्तर ⇒ 5

भर्ती के बाह्य स्त्रोतो के लाभ निम्न है :-
(i) योग्य कर्मचारि
(ii) नयी प्रतिभाए

(i) योग्य कर्मचारि :→ भर्ती की एक लम्बी प्रक्रिया होती है। जिनमे आवेदन पत्रो की संख्या कई अधिक होती है। उन आवेदनो मे से उन व्यक्तियो का चयन किया जाता है जो सर्वाधिक योग्य एवं कुशल हो।

(ii) नयी प्रतिभाए :→ बाह्य भर्ती से नऐ आचार विचार वाले आधुनिक कर्मचारि मिलते है जो एक संस्था के उद्देश्यो को आसानी से पूरा करते है।

उत्तर ⇒ 6

सरकार उपभोक्ता कि हितो की रक्षा कई प्रकार से करती है वह उन्हे जागरुक व शिक्षित करती अपने अधिकार के लिए। सरकार द्वारा कर्मचारि के हित के लिए हेल्पलाइन नं. 1800000000 जारी किऐ गऐ है तथा कई संगठन भी उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए प्रयास कर रहे है।

परीक्षक द्वारा प्रदत अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर = 7

2

प्रबन्ध :→ प्रबन्ध कार्य करने तथा कार्य करवाने का एक ढंग है। ऐसी प्रक्रिया है जिसमे कम से कम उत्पादन के साधनो द्वारा अधिक से अधिक उत्पादन किया जाता है।

EVERYTHING - MANAGMENT = 0/ZERO

यदि क्रियाओ व गैर क्रियाओ मे से प्रबन्ध को हटा दिया जाता है तो शून्य बचता है अर्थात असफलता।

BSER-169 2021

उत्तर ⇒ 8

2

पूंजी बाजार व मुद्रा बाजार मे अन्तर निम्न है :-

क्र.सं.	अन्तर का आधार	पूंजी बाजार	मुद्रा बाजार
	अवधि	पूंजी बाजार मे दीर्घकालिक प्रतिभूतियो मे विनिमय होता है। अर्थात वे प्रतिभूतियां जिनकी अवधि 1 वर्ष से अधिक हो। जैसे → अंश, ऋणपत्र।	मुद्रा बाजार मे अल्पकालिन प्रतिभूतियो का विनिमय किया जाता है अल्पकालिन प्रतिभूतियो से आशय ऐसी प्रतिभूति जिनकी अवधि 1 वर्ष या 1 वर्ष से कम हो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर ⇒ 9

(2)

राज्य राज्य आयोग :→ यह आयोग राज्य सरकार द्वारा राज्य की राजधानी मे स्थापित किया गया है। इस आयोग मे उन शिकायतो का क्षेत्राधिकार है जिसमे वस्तुओ एवं सेवाओ का मूल्य 1 करोड़ से अधिक हो पर 10 करोड़ से अधिक नही। यदि कोई पक्षकार इसके निर्णय से सतुंष्ट नही है तो वह 30 दिन के भीतर राष्ट्रीय आयोग मे अपील कर सकता है।

BSER-169/2021

उत्तर ⇒ 10

(2)

मानसिक क्रान्ति :→ मानसिक क्रान्ति का आशय श्रमिको व कर्मचारियो के प्रति विचार परिवर्तन से है। अर्थात टकराव के स्थान पर सहयोग। कभी-कभी श्रमिको व कर्मचारियो मे लाभ को लेकर द्वंद्व हो जाता है। लेकिन टेलर के अनुसार इन्हे झगड़े के स्थान पर अधिक लाभ कमाने के उपाय के बारे मे विचार करना चाहिए। ताकि संस्था का निष्पादन उच्चतम तरिके से कर सके। इतना लाभ कमाना चाहिए कि बटँवारे की बात आपस मे ही ना हो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर ⇒ 11

एकल प्रयोग :→ ऐसी योजना जो एक बार की घटना या परियोजना के लिए विकसित कि जाती है तथा जिन्हे बार-बार उपयोग मे नही लाया जा सकता अर्थात अनावृत प्रकृति की होती है। इन योजनाओ की अवधि 1 व माह या 1 सप्ताह की हो सकती है कभी-कभी यह 1 दिन की भी होती है। जैसे → संगोष्ठि, सम्मेलन।

(2)

उत्तर ⇒ 12

उपभोक्ताओ के लिए उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम महत्वपूर्ण है :-

(1) उपभोक्ता अभिजनता :→ उपभोक्ताओ को अपने अधिकारो तथा उनसे मिलने वाली राहतो के बारे नहि पता होता है। उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 2019 उन्हे शिक्षित व जागरूक करता है अपने अधिकारो के लिए।

(2)

(2) उपभोक्ताओ का ~~शोषण~~ व्यापक :→ जमा खोरी, ~~नकल~~ नकली माल, बालक विज्ञापन, मिलावट खोरी, कालाबाजारी आदि के कारण उपभोक्ताओ का व्यापक रूप से शोषण करेना हो रहा है उपभोक्ताओ को शोषण से मुक्त करने के लिए उपभोक्ता

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अधिनियम चलाया गया।

उत्तर ⇒ 13

2

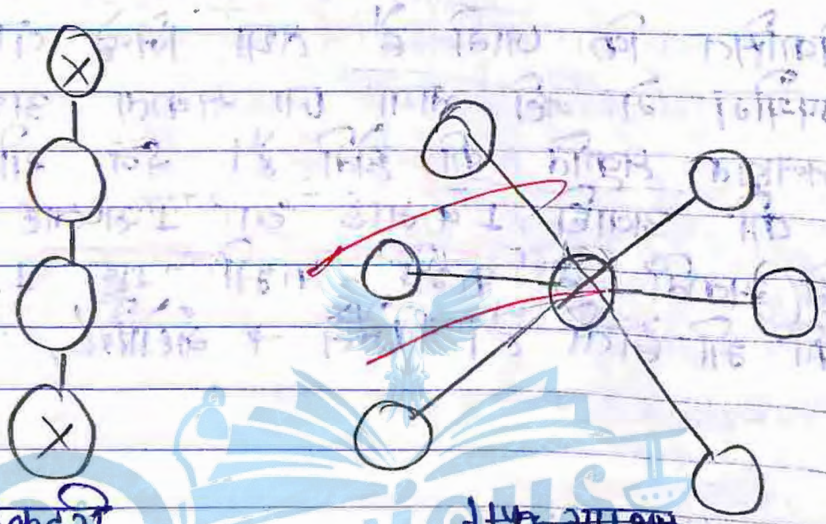

उत्तर ⇒ 14

2

उत्पादन अधिकारी के अधीन जो कर्मचारी कार्य करते है वह है – टोली नायक, मरम्मत नायक, गति नायक है। निरीक्षक

उत्तर ⇒ 16

2

भर्ती के बाह्य स्त्रोत की सीमाऐ निम्न है:-
(1) वर्तमान स्टाफ मे असतोंष
(2) महंगी प्रक्रिया

BSER-169 2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वर्तमान स्टॉफ मे असंतोष :→ • संस्था के बाहर से भर्ती करने की जाने के कारण संस्था के अन्दर कार्यरत कर्मचारि मे असंतोष हो जाता है। परिणाम-स्वरूप वे मन लगा कर कार्य नही करते है।

महंगी प्रक्रिया :→ भर्ती एक लम्बी प्रक्रिया है जिसके कारण इसमे आधिक व समय लगता है। जैसे → कैंपस भर्ती, दूरदर्शन, विज्ञापन आदि मे आधिक धन का उपयोग होता है।

उत्तर 15

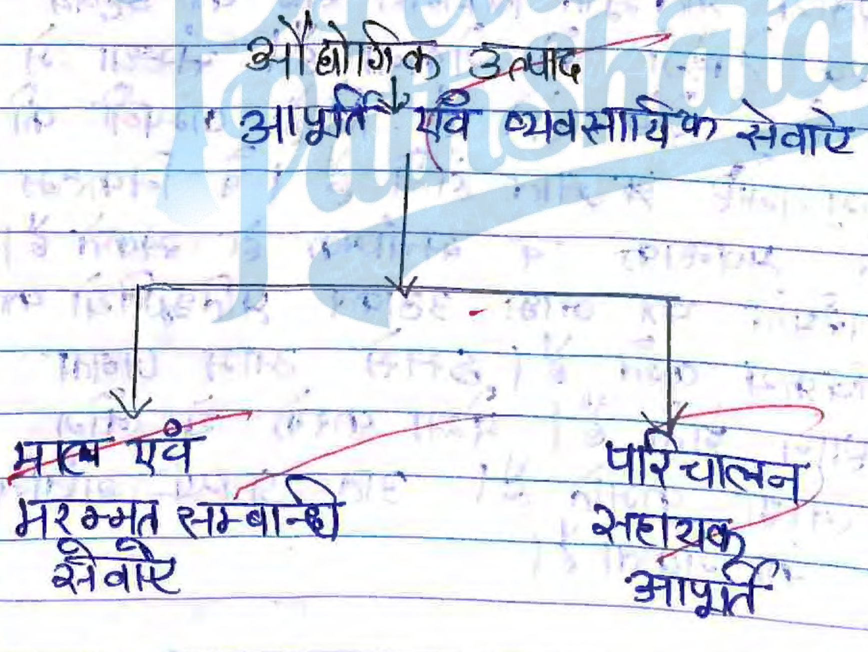

2

BSER-169/2021

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर => 17 "खण्ड => स"

"SEBI देश की अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करता है"

SEBI के तीन उद्देश्य निम्न है:-

(i) आंतरिक ट्रेडिंग को रोकना।
(ii) निवेशको के हितो की सुरक्षा।
(iii) शेयर बाजार का नियमन।

3

(i) आंतरिक ट्रेडिंग को रोकना :-> सेबी अर्थात भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड का उद्देश्य आंतरिक ट्रेडिंग को रोकना है। संस्था मे कुछ लोग ऐसे होते है जिन्हे कम्पनी की गुप्त सूचनाऐ ज्ञात होती है। वे निकटम व्यक्ति प्रबन्धक व संचालक हो सकते है। वे इस स्थिति का लाभ उठाकर प्रतिभूतियो का क्रय विक्रय करते है। इससे आम जनता को हानि होती है। ऐसा करके ये लोग भारी लाभ कमाते है। अत: SEBI आंतरिक ट्रेडिंग को रोकता है।

(ii) निवेशको के हितो की सुरक्षा :-> SEBI अर्थात Security Board of india का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य निवेशको के हितो की सुरक्षा करना है वह

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

इन्हे शेयर बाजार मे व्यवहार करने के लिए शिक्षित करता है।

शेयर बाजार का नियमन :→ SEBI शेयर बाजार को नियन्त्रण करने का कार्य भी करता है। तथा इसमे होने वाले व्यवहारो की सुरक्षा भी करता है।

"SEBI अर्थव्यवस्था का हृदय है।"

उत्तर =>18

"प्रशिक्षण एक कर्मचारि की योग्यता एवं कुशलता मे वृद्धि करने का कार्य करता है।"

(3) प्रशिक्षण एवं विकास से कर्मचारियो को होने वाले लाभ निम्न है :-

→ मनोबल मे वृद्धि
→ उच्च निष्पादकता मे वृद्धि
→ दुर्घटना से बचाव।

मनोबल मे वृद्धि :→ एक अच्छे प्रशिक्षक द्वारा कर्मचारि को प्रशिक्षण देने से वह योग्य और कुशल होगा। और कार्य को बड़े ही अच्छे ढंग से प्रस्तुत ~~करक~~ करेगा। जिससे उसके मनोबल मे वृद्धि होगी। और संगठन के उद्देश्यो को प्राप्त करने के लिए अपना अधिकतम योगदान देगा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) दुर्घटना से बचाव :- अच्छा प्रशिक्षण प्राप्त करने से वह मशीनो को चलाने के लिए कुशल व निपुण हो जाएगा। जिससे दुर्घटना से बचा जा सकेगा।

(iii) उत्पादकता मे वृद्धि :- प्रशिक्षण प्राप्त करने पर व्यक्ति व कर्मचारि कुशल व योग्य हो जाता है। और उसे ज्ञात हो जाता है कि कम से कम उत्पादन के साधनो का प्रयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन कैसे करे और वह पूर्ण लगन एवं मेहनत से कार्य करता है जो संस्था के उद्देश्यो को पूर्ण करने मे सहायक है।

"विकास से कर्मचारि इतना निपुण व कौशल हो जाता है जिससे वह भविष्य मे आने वाली परिस्थितियो का मुकाबला कर सकता है।"

उत्तर => 19

"समन्वय 2+2 = 5 को सम्भव बनाता है।"

समन्वय प्रबन्ध के लिए आवश्यक है :-

(1) ~~संगठन~~ संगठन का आकार

(2) कार्यात्मक विभेदीकरण

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(viii) विशिष्टीकरण।

समठनुात्मक
संगठन का आकार :→ संगठन का आकार जितना अधिक लम्बा होगा तो उतने ही अधिक कर्मचारियो की आवश्यकता होगी। और कर्मचारियो का आपस मे समन्वय आवश्यक है।

अन्य शब्दो मे एव कर्मचारियो द्वारा आपस मे मिलकर कार्य करने के लिए उनमे समन्वय होना आवश्यक हो।

3

कार्यात्मक विभेदीकरण :→ सभी विभागो के हित भिन्न - भिन्न होते है। लेकिन उन सभी का उद्देश्य एक ही होता है। एक संगठन या विभागो मे कार्य करने वाले लोगो मे समन्वय होना चाहिए।

विभ विशिष्टीकरण :→ अनेक क्रियाए अनेक उपक्रियाओ मे बटी हुई होती है। उपक्रियाओ के सम्पादन के लिए एक व्यक्ति होता है। अतः व्यक्तियो मे आवश्यक समन्वय होना चाहिए जिससे संगठन के उद्देश्यो को पुरा किया जा सके।

"समन्वय को प्रबन्ध के कार्य के रूप मे नही जाना जाता बल्कि इसे प्रबन्ध के एक अंग के रूप मे जाना जाता है।"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर ⇒ २०

" यदि कोई प्रबन्धक योजना बनाने मे असफल है तो वह अपने असफल होने की योजना बना रहा है। "

नियोजन की सीमाऐ निम्न है:-

(1) नियोजन मे सफलता का आश्वासन नही है।
(2) नियोजन मे अधिक लागत आती है।
(3) नियोजन दृढता उत्पन्न करता है।

3

(1) नियोजन मे सफलता का आश्वासन नही है:-
इसमे सफलता का आश्वासन नहि है कि बनायी गयी योजना सफल हो। एक बार प्रबन्धक पूर्ववर्ति मे सफल योजना के अनुसार योजना बनाता है और सोचता है कि उसकी योजनाऐ भी सफल हो जाऐगी लेकिन यह निश्चित नहि है कि बनायी गयी योजना सफल हो।

(2) नियोजन मे अधिक लागत आती है:- नियोजन शब्द छोटा है लेकिन इसकी प्रक्रिया उतनी ही लम्बी। लम्बी प्रक्रिया होने के कारण इसमे धन व समय दोनो ही खर्च करना पड सकता है।

(3) नियोजन दृढता उत्पन्न करता है:-
नियोजन दृढता

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दृढता उत्पन्न करता है एक बार योजनाऐ बना लेने के बाद उसमे परिवर्तन नही किये जा सकते है। नियोजन मे छोटे-छोटे परिवर्तन कर सकते है लेकिन बड़े परिवर्तन करना संभव नही है। बड़े परिवर्तन एक संगठन के लिए हानि का कारण भी हो सकते है।

"यदि कोई प्रबन्धक बिना योजना के लाभ कमाना चाहता है तो उसे बिना लाभ के जीवन जीना सीख लेना चाहिए।"

"खण्ड => द"

उत्तर => 21

"विपणन वस्तुओ एवं सेवाओ को उत्पादन स्थान से उपभोकता तक पहुचाने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"

4

→ इसके चार कार्य निम्न है।

(1) बाजार सम्बन्धित सूचनाओ को एकत्रित करना व उनका विश्लेषण करना।
(2) विपणन नियोजन।
(3) उत्पादक का रुपांकन तथा विकास।
(4) ब्रान्डिग।

(1) बाजार सम्बन्धि सूचनाओ को एकत्रित कर उनका विश्लेषण करना :→

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विपणन बाजार से सम्बन्धित उत्पाद के विषय मे सूचना प्राप्त करता है।
कि उपभोक्ताओ को किस उत्पाद की आवश्यकता है, उत्पाद का मूल्य, उपभोक्ता उत्पाद को किस जगह पाना चाहता है, उपभोक्ता किस उत्पाद को ज्यादा पसन्द करता है, कौनसी प्रवर्तन की तकनीक को पसन्द करता है।

आदि सूचनाओ को बाजार से एकत्रित करने के बाद वह उनका विश्लेषण करता है उसके आधार पर एक विपणन कर्ता उत्पाद का सृजन सृजन करता है।

(2) विपणन नियोजन :→ एक विपणन प्रबन्धक अपने विपणन सम्बन्धी उद्देश्यो को प्राप्त करने के लिए विपणन योजनाऐ बनाता है।

उदाहरण के लिए :→

एक विक्रय कर्ता चाहता है कि उसकी उत्पाद की बाजार मे हिस्सेदारी 20% से बढकर तीन वर्षो मे 40% हो जाऐ। इसके लिए उत्पादन का विकास अधिक करेगा, अधिक कर्मचारियो को रखेगा। तथा कई योजनाऐ बनाऐगा कि क्या करना है? तथा किस व्यक्ति द्वारा कौनसा कार्य किया जाऐगा।

(3) उत्पादन का रुपांकन तथा विकास करना :→

उत्पाद के रुपांकन से आशय डिजाइन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

करना। उत्पाद का इस तरह से डिजाइन करना कि ग्राहक उसकी ओर खरीदने के लिए आकर्षित हो तथा वह प्रतियोगिता मे टिकने योग्य बन जाए।

अन्य शब्दो मे, अपने उत्पाद को बाजार मे हिस्सा देने के लिए तथा स्थान देने के लिए कम्पनी को उत्पाद तथा वस्तुओं का रूपांकन इस तरह से करना चाहिए कि ग्राहक उसको खरीदने के लिए आकर्षित हो जिससे बिक्री मे वृद्धि होगी।

ब्रान्डिंग :→

एक विक्रयकर्ता अपने उत्पाद को बाजार मे विशेष पहचान देने के लिए उसे कोई, नाम, चिन्ह या चित्र देता है जिससे बाजार मे उसकी अपनी पहचान होती है उसे ब्रान्डिंग कहते है। एक विक्रय कर्ता को अपने ब्रान्ड का नाम इस तरह से रखना चाहिए कि अन्य प्रतियोगी फर्मो से भिन्न हो तथा टिकाऊ हो। तथा उसे अपने ब्रान्ड को नाम देते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि उसका ब्रान्ड नाम सरल, स्पष्ट, टिकाऊ और भिन्नता रखने वाला हो।

"विपणन उपभोक्ताओ को संतुष्टि प्रदान करता है।"

उत्तर

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर → २२

A

"निर्देशन का आशय एक के बाद दूसरे झझंट को दूर करना है।"

निर्देशन की विशेषताएं निम्न है:-

(1) निर्देशन क्रियाओ को प्रारंभ करने मे सहायक।
(2) निर्देशन का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर होता है।
(3) निर्देशन प्रत्येक प्रबन्ध स्तर पर निष्पादित होता है।
(4) निर्देशन एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है।

(1) निर्देशन क्रियाओ को प्रारम्भ करने मे सहायक:-> निर्देशन क्रियाओ का प्रारम्भ करती है। नियुक्तिकरण के बाद कर लेने के बाद प्रश्न यह उठता है कि मानव मशीनरी कैसे संचालित होगी इसका प्रश्न निर्देशन मे निहित है। प्रबन्ध कार्यो के लिए आधार प्रदान करता है लेकिन निर्देशन कार्य को प्रारंभ करता है।

(2) निर्देशन का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर होता है:- निर्देशन का प्रवाह उच्च अधिकारी द्वारा होता है एवम सांगठनिक अनुक्रम द्वारा यह नीचे की ओर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रवाहित होता है।

अन्य शब्दो मे उच्च अधिकारीयो द्वारा प्रवाहित होने के बाद अधीनस्थो की ओर सांगठनिक अनुक्रम द्वारा प्रवाहित होता है। इसमे निम्न निम्नतम स्तर के अधिकारि सुझाव देता है एवं अपने ऊपर के अधिकारी से आदेश ग्रहण करते है।

(3) निर्देशन का निष्पादन प्रत्येक प्रबन्ध के स्तर पर होता है:-

निर्देशन का निष्पादन उच्चस्तरीय प्रबन्ध, व निम्न स्तरीय प्रबन्ध व मध्य स्तरीय प्रबन्ध करते है। जहाँ भी अधिकारी अधिनस्थ सम्बन्ध होता है वहाँ निर्देशन स्वतः ही आरम्भ होता है।

(4) निर्देशन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है:—

यह एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। यह प्रबन्ध के जीवन काल तक चलने वाली एक सतत् प्रक्रिया है। यह बिना ध्यान दे कि उच्च पद पर कौन कार्यरत है, तथा प्रबन्धको के परिवर्तनो पर बिना ध्यान दे यह निरन्तर चलती रहती है। निर्देशन के अभाव मे एक फर्म या संगठन की कल्पना भी नही कि जा सकती है।

"कर्मचारियो को आदेश देना, उनका मार्गदर्शन करना तथा उनकी समस्याओ को सुधारना निर्देशन है।"

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर - 23

"वैयक्तिक विक्रय विक्रय बिक्री के उद्देश्य से ग्राहकों से बात-चीत करना, तथा उन्हें उत्पाद के प्रति सूचित करना है।"

4

→ वैयक्तिक विक्रय से समाज को होने वाले लाभ निम्न है:-

(1) मांग की लागतो मे परिवर्तन करना।
(2) रोजगार के अवसर।
(3) जीवनवृत्ति के अवसर।
(4) विक्रयकर्ता के स्थानान्तरण।

(1) मांग की लागतो को परिवर्तन करना:→

वैयक्तिक प्रवर्तन विक्रय मांग की लागतो को परिवर्तित कर प्रभावी मांग मे परिवर्तित करती है। प्रभावी मांग के अन्तर्गत कार्मचारियो मे वृद्धि, उत्पादो मे वृद्धि होती है। जिससे कर्मचारियो को उत्पाद के बारे मे सूचना देता है।

(2) रोजगार के अवसर:→

वैयक्तिक विक्रय मे अधिक लोगो की आवश्यकता होती है।

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जिसे लोगो को रोजगार प्राप्त होता है।

अन्य शब्दो मे, वैयाक्तिक प्रवर्तन के माध्यम बेरोजगार लोगो को रोजगार मिलता है। जिससे उनके जीवन स्तर के मूल्यो मे वृद्धि होता है। और वे अपनी मूलभूत आवश्यकताओ को आसानी से पूरा कर सकते है।

3) जीविकावृत्ति के अवसर :-

वैयाक्तिक विक्रय नव युवक व युवतियो को कॅरियर बनाने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिसके माध्यम से उन्हे जॉब व नौकरी मिलती है। इससे बेरोजगारी दूर होती है।

4) विक्रयकर्ता का स्थानान्तरण :-

वैयाक्तिक विक्रय से विक्रय कर्ता का स्थानान्तरण होता है। इससे पर्यटन क्षेत्र को बढावा मिलता है। जो देश की अर्थव्यवस्था मे सहायक है। अतः वैयाक्तिक विक्रय से अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिलता है।

"वैयाक्तिक विक्रय ग्राहको मे तालमेल बैठाकर तथा व्यक्तिगत सम्बन्ध बनाकर अपनी बिक्री को बढाता है।"

समाप्त